राजस्थान सरकार
निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाये, राज. जयपुर

क्रमांक आईडीएसपी/2019/ 1936 दिनांक 19/6/19

समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
समस्त प्रमुख चिकित्सा अधिकारी
राजस्थान।

विषयः—चमकी बुखार (**Acute Encephalitis Syndrome**) से बचाव एवं उपचार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश।

उपरोक्त विषयान्तर्गत निर्देशानुसार लेख है कि वर्तमान में बिहार राज्य में **चमकी बुखार (Acute Encephalitis Syndrome)** का प्रसार हो रहा है। अतः समस्त चिकित्सा संस्थानों पर उक्त रोग के उपचार से संबंधित समस्त प्रकार की दवाईयों की उपल्ब्धता सुनिश्चित करें एवं इसके सन्दर्भ में समस्त चिकित्सकों का आमुखीकरण (sensitization) अपने स्तर से प्रदान करावें एवं आमजन को रोग से बचाव हेतु जागरूक करें तथा उक्त रोग से सबंधित कोई रोगी चिन्हित होता है तो इसकी सूचना निदेशालय के ई—मेल आईडी rajasthan_idsp@yahoo.co.in एवं nvbdcprajasthan@gmail.com पर भिजवाना सुनिश्चित करें।

संलग्नः—गाईडलाईन

डॉ. रवि प्रकाश शर्मा
अतिरिक्त निदेशक (ग्रा. स्वा.)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाये
राज. जयपुर।

क्रमांकः आई.डी.एस.पी/2018/1936 दिनांक 19/6/19

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैः—

1. निजी सचिव, माननीय चिकित्सा मंत्री महोदय, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं प.क. विभाग, राजस्थान।
2. निजी सचिव, अति. मुख्य सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं प.क. विभाग, राजस्थान।
3. निजी सचिव, मिशन निदेशक, एनएचएम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाऐं, राजस्थान।
4. निजी सचिव, निदेशक (जन स्वास्थ्य), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाऐं, राजस्थान।
5. संयुक्त निदेशक (ग्रा.स्वा.) एवं नोडल ऑफिसर, आईडीएसपी, मुख्यालय।
6. समस्त— संयुक्त निदेशक चिकित्सा एव स्वास्थ्य सेवाऐं, जयपुर।
7. सर्वर रूम, ईमेल एव विभागीय वेबसाईट पर अपलोड वास्ते।
8. कार्यालय प्रति।

अतिरिक्त निदेशक (ग्रा. स्वा.)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाये
राज. जयपुर।

चमकी बुखार (Acute Encephalitis Syndrome)

ए.ई.एस. एक गम्भीर बीमारी है जो समय पर इलाज से ठीक हो सकता है। अत्येधिक गर्मी एवं नमी के मौसम में यह बीमारी फैलती है। 01 से 15 वर्ष तक के बच्चे इस बीमारी से ज्यादा प्रभावित होते है।

मस्तिक ज्वर के लक्षण

- सिर दर्द, तेज बुखार आना जो 5–7 दिनों से ज्यादा का ना हो।
- अर्द्ध चेतना एवं मरीज में पहचाने की क्षमता नहीं होना/ भ्रम की स्थिति में होना/ बच्चे का बेहोस हो जाना।
- शरीर में चमकी होना अथवा हाथ पैर में थरथराहट होना।
- पुरे शरीर अथवा किसी खास अंग में लकवा मार देना अथवा हाथ पैरों का अकड जाना।
- बच्चे का शारीरिक संतुलन ठीक ना होना।

क्या करें :–

- तेज बुखार होने पर पुरे शरीर को ताजे ठण्डे पानी से पौछे एवं पंखे से हवा करें ताकि बुखार कम हो सके।
- पैरासीटीमोल की 500 Mg की गोली अथवा 125 Mg/ML की सीरप मरीज की उम्र के हिसाब से देना चाहिए, जैसे जन्म से 1 साल के बच्चे के लिये 1/4 गोली अथवा एक चम्मच, 1 से 6 साल के बच्चे के लिये 1/2 गोली अथवा 2 चम्मच सीरप, 6 साल से 15 साल के बच्चे के लिये 1 गोली अथवा 4 चम्मच सीरप देनी चाहिए।
- यदि बच्चा बेहोस नहीं है तब साफ पानी में ओआरएस का घोल बना कर पिलाए।
- बेहोसी/मिर्गी की अवस्था में बच्चे को हवादार स्थान पर रखें।
- बच्चे के शरीर से कपडे हटा ले एवं छायादार स्थान पर लेटाये एवं गर्दन सीधी रखें।
- यदि मरीज के मुंह से झाग या लार बार बार व ज्यादा निकल रहा है तो साफ पट्टी या कपडे से मरीज का मुंह साफ करते रहे।
- मरीज को यदि झटकें आ रहे हो तो उसके दांतो के बीच साफ कपडें का गोला बनाकर रखें, जिससे जीभ कटने से बच सकें।

क्या ना करें :–

- बच्चें को कम्बल अथवा गर्म कपडें में ना लपेटे।
- बच्चें की नाक बन्द ना करें।
- बेहोसी/मिर्गी की अवस्था में बच्चें के मुंह में कुछ ना देवें।
- बच्चें की गर्दन झुकी ना रहें।
- चुंकी यह दैविक प्रकोप नहीं है। बल्की अत्यधिक गर्मी एवं नमी के कारण होने वाली बीमारी है अतः बच्चे के इलाज में झाड–फूंक में समय नष्ट ना करें।